संकुल स्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु

द्वितीय वर्ष

चर्चा पत्र - सितम्बर, 2016

अंक –4

श्री दुष्यंत नेरिया, बेमेतरा

श्री पुनेंद्र पाल, रायपुर

श्री गौतम कुमार, गरियाबंद

श्री सतोष गौरे, बस्तर

श्री अनिल गुप्ता, कोरबा

श्री विकेश यादव, बेमेतरा

श्रीमती सरिता शर्मा, रायपुर

श्रीमती सुनीता जगदलपुर

श्री हेमंत साह, बस्तर

श्री गौधालाल सिदार, बलरामपुर

श्रीमति अनीता शुक्ल, बस्तर

श्री नर्रोत्तम प्रसाद पारकर
, बेमेतेरा

डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

शिक्षक दिवस पर महत्वपूर्ण कार्य किए गए शिक्षकों का फोटोग्राफ्स

राज्य परियोजना कार्यालय
राजीव गांधी शिक्षा मिशन
रायपुर, छ.ग.

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

आपसे कुछ आपस की बात !

आप सभी को शिक्षक दिवस की असीम शुभकामनाएं !

किसी भी देश का भविष्य एवं शिक्षा व्यवस्था शिक्षक के इर्द-गिर्द ही घूमती है | शिक्षक अगर धुन का पक्का है तो वह तमाम परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना लेता है | सारी कमियाँ एक तरफ और शिक्षक का काम करने का जज्बा एक तरफ होकर अपने काम को सफलतापूर्वक अंजाम दे सकता है | तमाम विपरीत खबरों के बीच भी कुछ ऐसे शिक्षकों की खबरें भी आती रहती है जो बच्चों के भविष्य संवारने के लिए जी-जान से जुटे रहते हैं | इनमे से बहुत से शिक्षक साधनहीन हैं लेकिन उनका काम करने का जज्बा गजब का है | बहुत ही न्यून संसाधनों के साथ वे अपने शाला के बच्चों के जीवन में उजाला फैलाने की मुहिम में चुपचाप लगे हुए हैं |

हमने अपने चर्चा पत्र के पिछले कुछ अंकों में ऐसे शिक्षकों के बारे में लगातार आपको जानकारी दी है | केरल के मलप्पुरम के शिक्षक अब्दुल मलिक बच्चों को पढ़ाने के लिए तैरकर स्कूल पहुंचतें हैं | अरविन्द गुप्ता कबाड़ से जुगाड़ कर खिलौने बनाने में माहिर हैं | उनके यू-ट्यूब में उपलब्ध वीडियोज से आपको परिचित कराया गया है | पिछले कुछ अंकों से हम शिक्षकों व्दारा बनाए जा रहे प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी की बात आपके समक्ष रखते हुए यह अपेक्षा कर रहे हैं कि आप भी किसी न किसी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी से जुडकर अपना योगदान देंगे |

एक अच्छा शिक्षक वही होता है जो अपने ख्याल रखने से ज्यादा अपनों का ख्याल रखना ज्यादा पसंद करता है, उसे प्राथमिकता देता है | समाज के विकास में, समाज के सुधार में शिक्षकों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है | स्कूलों में तो बच्चों के लिए शिक्षक रोल माडल होते हैं, वे सही मार्गदर्शन एवं हीरो होते हैं | प्रधानमंत्रीजी ने अपने मन की बात में अपने एक शिक्षक का जिक्र किया है | उनके एक शिक्षक जिनकी आयु अभी नब्बे वर्ष से अधिक है, उन्हें नियमित प्रतिमाह अपने हाथ से पत्र लिखते हैं | पत्र में प्रधानमंत्रीजी व्दारा गत माह किए गए अच्छे कार्य और ऐसे कार्य जिन्हें सुधारना चाहिए, दोनों प्रकार की बातों का जिक्र होता है | वे ऐसा पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं | एक शिक्षक के पास ही ऐसी क्षमता हो सकती है जो अपने प्रधानमंत्रीजी को सुझाव या सुधार के लिए बेबाक लिख सके |

आइए हम सब मिलकर ऐसी मेहनत करें कि शिक्षकीय पद की गरिमा और सम्मान को और अधिक बढ़ाया जा सके |

एजेंडा एक: एक लघुकथा – तलाश [लोकेन्द्र नाथ जोशी]

- 'हैलो, क्या मैं आलोक श्रीवास्तव से बात कर सकता हूँ ?"
- "हाँ, बोल रहा हूँ |"
- "क्या आप अपने डोगी को तलाश रहे हैं जिसके गुमशुदा होने का विज्ञापन आपने आज के अखबार में दिया है ?"
- "जी हाँ |"
- "क्या आपका डोगी तीन दिनों से लापता है और उसके गले में लाल रंग का पट्टा और उस पर आपका नाम और मोबाइल नंबर लिखा है ?"
- "हाँ भाई हाँ | हम उसे तीन दिनों से तलाश रहे हैं, उसके गुम जाने से उसकी याद में मेरा और मेरी पत्नी का बुरा हाल है | हम न ठीक से खा पा रहे हैं, न ठीक से सो पा रहे हैं | किसी भी काम में हमारा मन नहीं लग पा रहा है |"
- "लेकिन आप हैं कौन, और कहाँ से बोल रहे हैं ?"
- "मैं ओल्ड एज होम याने वृद्धाश्रम से बोल रहा हूँ | आपका डोगी आपके माता-पिता को तलाशते हुए हमारे वृद्धाश्रम में आ गया है और अब जाने का नाम ही नहीं ले रहा है | "

- *क्या इस प्रकार की घटनाएं हमारे आसपास होती दिखाई दे रही हैं ?*
- *ऐसी घटनाओं के पीछे क्या कारण हो सकते हैं ?*
- *हम अभी से अपने विद्यार्थियों में ऐसे कौन से गुण विकसित करने का प्रयास करें जिनसे ऐसी नौबत न आए ?*
- *कक्षा में पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ ऐसे मानवीय मूल्य विकसित करने हेतु क्या प्रयास किए जाने चाहिए ? अपने संकुल के शिक्षकों के साथ इन मुद्दों पर चर्चा करें |*

प्रतिवर्ष अक्टूबर दो से आठ के दौरान दानोत्सव नामक उत्सव मनाया जाता है। इसमें अपने पास से कुछ चीजें ऐसे लोगों को दी जाती है जिन्हें उनकी आवश्यकता है। यह Joy of Giving अर्थात देकर खुश होने का त्यौहार है। इस बार आप क्या दान करना चाहेंगे ? यह कुछ भी हो सकता है। सोचें और तय करें !

एजेंडा दो: गणित किट का नियमित उपयोग

राज्य के सभी प्राथमिक शालाओं में प्रारंभिक गणित की दक्षताओं में बच्चों की समझ में सुधार करने हेतु गणित किट का वितरण करते हुए उनके उपयोग हेतु राज्य के सभी प्राथमिक शालाओं से एक एक शिक्षक को प्रशिक्षित किया गया है। इनके नियमित उपयोग की जांच करने हेतु डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान में बाह्य अधिकारियों को जांचने हेतु एक दक्षता गणित किट के उपयोग के बारे में दी गयी थी।

लेकिन निरीक्षण के दौरान कई शालाओं में इस किट के न खुलने का खुलासा हुआ है। इसके अलावा इस दिशा में काम करने की आवश्यकता है-

- बच्चों को गिनती सिखाने के बाद सीधे जोड़-घटाना सिखाना शुरू कर दिया जाता है। स्थानीय मान को समझाने में ज्यादा समय नहीं दिया जा रहा है।
- समेकित पुस्तक में जोड़-घटाने के लिए दो संख्याओं को एक दूसरे के नीचे या एक ही लाइन में दोनों संख्याओं को लिखकर बीच में जोड़ या घटाने का चिह्न लगाया जाते हुए प्रस्तुतीकरण किया गया है। परन्तु अधिकांश शिक्षक जोड़ या घटाव करते समय एक दूसरे के नीचे लिखने एवं गुणा करते समय एक ही लाइन में लिखने का अभ्यास बच्चों से कराते हैं। इस सिस्टम को बदलने पर बच्चे कन्फ्यूज हो जाते हैं। बच्चों को पुस्तक के अनुरूप दोनों सिस्टम का पता होना चाहिए।
- पहाडा की अवधारणा को समझाए बिना उन्हें केवल रटवाने पर ही जोर दिया जाता है।
- कुछ दक्षताएं जैसे समय देखना, मापन, आंकड़ों की जानकारी सही तरीके से नहीं समझाई जाती।
- गणित किट के उपयोग पर प्रशिक्षित शिक्षक के बदले कोई दूसरा शिक्षक कक्षाओं का अध्यापन करते पाए गए।

- ***इन स्थितियों में सुधार करते हुए अपने संकुल के सभी बच्चों में मूलभूत गणितीय दक्षताओं को हासिल करवाने हेतु क्या-क्या करना होगा, चर्चा करें।***
- ***कितने दिनों के भीतर सभी बच्चों में गणित की दक्षताएं ठीक से सही-सही आ जाएंगी ?***
- ***क्या शिक्षक TLM को केवल एक खिलौने के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं या अवधारणाओं की समझ बनाने हेतु ?***
- ***गणित सीखने में क्रम का क्या महत्व है ? क्या शिक्षक मार्गदर्शिका के अनुरूप निश्चित क्रम से काम किया जा रहा है ?***

एजेंडा तीन: कागज़ पर योजनाएं

हमने जिलों से प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी की जानकारी एवं उनके व्दारा किए जा रहे कार्यों को जानने का प्रयास किया | विभिन्न जिलों से शिक्षकों की सूची मिली जो किसी न किसी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के सदस्य थे | उनके पीएलसी द्वारा किए जा रहे कार्यों की कोई ख़ास जानकारी नहीं मिल सकी | फोन से कुछ लोगों से पूछने का प्रयास भी किया पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली | कागज़ पर पीएलसी बन गयी है पर अधिकांश जगह कोई काम इनके माध्यम से नहीं हो पाया है | इसलिए अभी तक हुए अनुभवों के आधार पर पीएलसी को कागज़ से उठाकर वास्तविकता की धरती में लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाने की अपेक्षा है-

सबसे पहले अपने संकुल में कम से कम दो-चार ऐसे शिक्षकों को ढूंढें जो अपने पीएलसी का नेतृत्व या जिम्मेदारी ले सकें, **जिनमे लीडरशिप क्वालिटी हो** |

अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं या उपलब्ध संसाधनों/ सुविधाओं के आधार पर पीएलसी के काम करने के लिए **किसी एक मुद्दे का निर्धारण** करें | जैसे यदि आपको आदिवासी भाषा की वजह से बच्चों के सीखने में समस्या महसूस हो रही है तो यह वहां उस क्षेत्र की आवश्यकता हुई और वहीं यदि आपको लगता है कि आपके यहाँ कुछ ऐसे लोग हैं जो मोबाइल से अच्छे वीडियो बना लेते हैं तो अपने पीएलसी के माध्यम से बेहतर कक्षाओं, विधियों आदि का वीडियों बनाने की जिम्मेदारी ले सकते हैं, यह उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कोई कार्य अपने हाथ में लेना हुआ |

इनको सपोर्ट करते हुए अपने **पीएलसी के लिए एक मिशन स्टेटमेंट** बनाएं | ऐसा करने से आपका पीएलसी अपने उद्देश्यों से नहीं भटकेगा और काम करने के लिए एक स्पष्ट दिशा मिल सकेगी |

अब अपने **पीएलसी में और अधिक लोगों को जोड़ने** की दिशा में काम करना प्रांरभ करें | इस हेतु आपस में एक दूसरे से चर्चा कर इच्छुक लोगों को अपने पीएलसी में शामिल करने का प्रयास करें | इसके अलावा आप अपने पीएलसी के मिशन स्टेटमेंट/ उद्देश्य के साथ एक छोटा सा विज्ञापन तैयार कर ऐसे स्थलों जहां शिक्षक अधिक संख्या में आते हों यथा संकुल, बीआरसीसी, विकासखंड/ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, एस.एम.एस., व्हाटसएप्प, फेसबुक अथवा अन्य सोशियल मीडिया से प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक सक्रिय लोगों को जोड़ने का प्रयास करें | यह आवश्यक नहीं है कि पीएलसी के सदस्य आपने संकुल के ही हों | ये संकुल, जिले, राज्य अथवा देश के बाहर से भी हो सकते हैं और आपके कार्यों से प्रभावित होकर आपको सहयोग देने हेतु आपके पीएलसी से जुड़ना चाहते हों | आप इनसे किसी उपयुक्त सोशियल मीडिया के माध्यम से जुड़ सकते हैं |

अब आइए कुछ चर्चा कर लें कि आप किस क्षेत्र में पीएलसी बनाना चाहते हैं | यदि बच्चों की समस्या या शिक्षा में सुधार जैसे मुद्दे लेंगे तो आप अपने पीएलसी के कार्य

को फोकस नहीं कर पाएंगे | फोकस करने हेतु आपको किसी विशिष्ट क्षेत्र का निर्धारण करना होगा | कुछ क्षेत्र इस प्रकार हो सकते हैं:

- अध्यापन के किसी एक विषय में सुधार हेतु पीएलसी
- सहायक सामग्री निर्माण एवं उपयोग हेतु पीएलसी
- शिक्षण विधियों की पहचान एवं सुधार हेतु पीएलसी
- मूल्यांकन पद्धतियों में नवाचार एवं सुधार
- आदिवासी भाषा में सामग्री निर्माण एवं उपयोग पर पीएलसी
- सफलता की कहानियों के दस्तावेजीकरण हेतु पीएलसी
- शिक्षकों के साथ नवीन बातें शेयर करने चर्चा पत्र हेतु सामग्री उपलब्ध कराने पीएलसी
- गीत/ खेल/ नाटक/ लोक कलाओं/ स्थानीय कहानियों/ परंपराओं/ आसपास उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से सीखने हेतु प्रत्येक के लिए अलग-अलग पीएलसी
- **हमारे रीति-रिवाज एवं परंपराओं में निहित विज्ञान की पहचान कर रीडिंग काड्र्स तैयार कर बच्चों में आत्म-गौरव विकसित करने पीएलसी**
- **स्थानीय उपलब्ध संसाधनों के सहयोग से विज्ञान एवं अन्य विषयों के रोचक प्रयोग करने हेतु Do it Yourself Cards तैयार करने हेतु पीएलसी**
- **अच्छे पाठों, बेहतर उदाहरणों, प्रयोगों, गीत-कहानियों, स्थानीय भाषा के उपयोग आदि को सफल शिक्षकों व्दारा अध्यापन करते हुए मोबाइल से वीडियो लेकर उन्हें अन्य शिक्षकों के साथ शेयर करना**

उपरोक्त में से अंतिम तीन को अपने अपने क्षेत्र में अनिवार्यतः गठित करते हुए तैयार सामग्री को हमारे साथ mis.head@gmail.com में विषय में charcha patra लिखते हुए आवश्यक शेयर करें | यदि आपकी रूचि अपने क्षेत्र में पीएलसी बनाने की है और आप इस दिशा में कार्य करना चाहते हैं तो RTE Watch व्दारा माह अक्टूबर में पीएलसी पर एक सेमीनार सह कार्यशाला आयोजित किया जा रहा है | यह एक दिवसीय सेमीनार तिल्दा, रायपुर में आयोजित की जाएगी और आपके संकुल से जो भी इसमें इच्छुक हों श्री देवेन्द्र सिंग राजपूत से 9300438036 पर सूचित कर अपना पंजीयन कर सकते हैं | इसका आयोजन अवकाश के दिन होगा और यह पूर्णतः स्वैच्छिक कार्यक्रम होगा |

उम्मीद है यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी और अब आप पीएलसी को कागज़ से उठाकर धरातल में लाने एवं सक्रिय बनाने के लिए तैयार होंगे |

उपरोक्त जानकारी के आधार पर अपने संकुल के शिक्षकों के साथ पीएलसी के लिए कार्यनीतियाँ बनाते हुए फोकस करते हुए कार्य प्रारंभ करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें |

अपने पीएलसी व्दारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों को हमसे भी साझा करें – mis.head@gmail.com

एजेंडा चार: कोई बच्चा छूटने न पाए !

इस बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान में सफल कक्षा का दर्जा उन कक्षाओं को दिया गया जिनमें –

"कक्षा में दर्ज बच्चों में से कम से कम तीन चौथाई अर्थात 75% बच्चों को उनसे पूछे गए दस सवालों में से कम से कम सात सवालों के सही- सही जवाब मालूम हों।"

एक संकुल समन्वयक के रूप में आपको रोज कई कक्षाओं के अवलोकन का अवसर मिलता होगा। क्या आपने कभी महसूस किया है कि सभी कक्षाओं में केवल कुछ बच्चे शिक्षकों के करीब होते हैं। ये ही बच्चे अक्सर शिक्षक व्दारा पूछे गए सवालों के जवाब आगे बढकर देते हैं। शिक्षक भी धीरे-धीरे इन्हीं बच्चों से अपने सारे सवालों के जवाब सुनने के आदि हो जाते हैं। अपने संकुल के शिक्षकों से उनके इन अनुभवों के बारे में चर्चा करें।

- क्या आपके कक्षा में केवल कुछ बच्चे ऐसे हैं जो हमेशा आपके व्दारा पूछे गए सवालों के जवाब देने के लिए तत्पर रहते हैं ?
- ऐसे बच्चे कौन-कौन हैं, थोड़ी देर अपनी आँख बंद कर सोचें।
- क्या आप इन बच्चों को बातें समझ आ गया, यह जानने के बाद उस पाठ या प्रकरण के बाद अगला प्रकरण शुरू कर देते हैं ?
- क्या अन्य बच्चों को समझ में आया या नहीं, इससे आपको कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता ? आप सीधे आगे बढ़ जाते हैं।
- आपकी कक्षा के सभी बच्चे सीख सकें, इसके लिए आपको क्या-क्या करना होगा ? कैसे आप सभी बच्चों के सीखने को सुनिश्चित कर सकेंगे ?
- क्या छोटे छोटे समूह में बच्चों को एक दूसरे से सीखने में मदद करने ऐसे बच्चों का उपयोग किया जा सकता है ? कैसे ?
- क्या ऐसा करने से आप पर काम का दबाव कम होगा और ज्यादा बच्चे पहले से ज्यादा अच्छे से सीख सकेंगे ?

सौ प्रतिशत बच्चों सीख सकें, ऐसा जज्बा, जिम्मेदारी, जवाबदेही, जानकारी कैसे लाएं ?

आपकी कक्षा का हर बच्चा आगे बढ़ रहा है, यह कैसे पता करेंगे, इसका रिकार्ड कैसे रखेंगे ?

एजेंडा पांच: संकुल स्तरीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम क्रियान्वयन

आपके संकुलों में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के द्वितीय वर्ष का प्रथम मानिटरिंग संबंधी कार्य संपन्न कर लिया गया होगा | अब आपको प्राप्त रिपोर्ट्स के आधार पर स्थानीय स्तर पर शालावार, कक्षावार एवं शिक्षकवार कार्यक्रम तय करने होंगे ताकि माह जनवरी में होने वाले द्वितीय मानिटरिंग में प्रत्येक शाला में सुधार दिखाई दे |और ये सुधार **वास्तविक हों** दिखावटी नहीं | अपने संकुल में योजना बनाते समय इन जानकारियों का होना आवश्यक होगा-

- शालावार ऐसी कक्षाएं जिन्होंने निर्धारित क्रायटेरिया को प्राप्त नहीं किया है
- शालावार ऐसे शिक्षक जिनकी कक्षाओं ने निर्धारित क्रायटेरिया को प्राप्त नहीं किया है
- कक्षावार ऐसी दक्षताएं जिन्हें पूरा करने में बच्चों को कठिनाई हुई
- फोकस शालाओं में शिक्षकों को विभिन्न दक्षताओं में सुधार हेतु कार्यक्रम
- गैर-फोकस शालाओं में भी अपेक्षित सुधार हेतु कार्यवाहियां

इन स्थितियों के आधार पर विश्लेषण कर अपने संकुल में सुधार हेतु योजना बनाएं | योजना बनाते समय इन बातों को ध्यान में रखा जा सकता है:

- शिक्षकों को यथासंभव पढाई के अलावा और कोई कार्य न दें |
- उनसे अपेक्षित कागजी कार्यों को भी कम से कम करने का प्रयास करें |
- शिक्षकों को बच्चों में अपेक्षित प्रगति के लिए संवेदनशील भी बनाने की कोशिश करें | यदि उन्होंने प्रथम चरण में मानिटरिंगकर्ता के सामने बच्चों में कमियों को देखा है तो अगले मानिटरिंग के पहले उन कमियों में सुधार हेतु सतत प्रयास के लिए संवेदनशील रहें, यह सुनिश्चित करना होगा |
- गत वर्ष के सौ बिंदु जो सीधे बच्चों की उपलब्धि से संबंधित हैं, उन पर कार्य करें |
- अपने या आसपास के संकुलों के साथ मिलकर शिक्षकों के पीएलसी के माध्यम से उनके क्षमता विकास की दिशा में कार्य करें एवं सुधार हतु सतत प्रयत्नशील रहें |

आप कैसे जान सकेंगे कि आपकी बात का शाला में असर होता है अर्थात आपमें नेतृत्व क्षमता है? आप अपने शिक्षकों को बैठक में सभी कक्षाओं में दिशाओं को सही स्थान में लिखने हेतु अनुरोध करें | शाला भ्रमण के दौरान देखें कि कितनी शालाओं ने आपके सुझाव का पालन किया है | और ऐसे कुछ कार्य देकर आप चीजों को शालाओं में लागू होते हुए देख सकते हैं |

एजेंडा छः : दक्षताओं में सुधार हेतु गतिविधियों को डिजाइन करना

हमने इस बार इन दस दक्षताओं में बच्चों की स्थिति पता करने का प्रयास किया था-

- दक्षता एक: बच्चे कक्षानुरूप अंग्रेजी में किसी निर्देश को सुनकर उसके अनुरूप कार्य कर सकेंगे | (Listening)
- दक्षता दो: बच्चे कक्षानुरूप अंग्रेजी में किसी दिए गए बिंदु पर अपनी बात स्वतंत्र रूप से कह पाते हैं/ कोई कविता सुना पाते हैं | (Speaking)
- दक्षता तीन: बच्चे कक्षानुरूप हिन्दी में किसी दी गयी सामग्री को पढ़ कर सुना सकेंगे | (Reading)
- दक्षता चार: बच्चे कक्षानुरूप हिंदी में कोई प्रदत्त कार्य लिखकर दिखा सकेंगे | (Writing)
- दक्षता पांच: बच्चे कक्षानुरूप सरल मौखिक गणितीय प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे | (Oral Math)
- दक्षता छः बच्चे कक्षानुरूप गणितीय संक्रियाओं को हल कर सकेंगे | (Math Operations)
- दक्षता सात: बच्चे कक्षानुरूप आसपास की दैनिक घटनाओं/ प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी दे सकेंगे | (Science around us)
- दक्षता आठ: बच्चे कक्षानुरूप वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ वाले सवाल हल कर सकेंगे | (scientific concepts)
- दक्षता नौ: बच्चे कक्षानुरूप सामाजिक अध्ययन से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे | (General awareness)
- दक्षता दस: बच्चे मिलजुलकर टीम वर्क के रूप में एक समूह में काम करते हुए किसी समस्या को हल कर लेते हैं (Team work)

अगले बार भी माह दिसंबर तक के पाठ्यक्रम में इन्ही दक्षताओं पर बच्चों का आकलन होगा | इनमे से प्रत्येक दक्षता के विकास हेतु कार्ययोजना एवं गतिविधियों का संकलन कर एक दूसरे से नियमित रूप से शेयर कर उनका उपयोग बच्चों के साथ करना प्रारंभ करें |

<u>संपर्क क्लासरूम के अवलोकन के आधार पर कुछ मुद्दें -</u> गत माह राज्य स्तर से 450 प्राथमिक शालाओं में गणित किट के उपयोग को जानने का प्रयास किया गया | 92% शालाओं में प्रशिक्षित शिक्षकों व्दारा अध्यापन किया जा रहा है | 76% शालाओं में गणित किट का इस्तेमाल हो रहा है | 28% शालाओं से प्रोग्रेस रिपोर्ट अभी तक नहीं बनाई जा रही है | 39% शालाओं में पाठ को क्रम से नहीं बताया जा रहा है |

इस स्थिति को कैसे सुधारेंगे ? आपस में चर्चा कर उपाय ढूँढने की कोशिश करें |

एजेंडा सात : रचनात्मक लेखन कौशल का विकास करना

कबीरधाम जिले में शिक्षा विभाग व्दारा बच्चों को अपने पालकों को पत्र लिखने हेतु कहा | सभी ने अपने पालकों को अपने घरों में शौचालय बनाने का निवेदन किया | पालकों ने भी उनके पत्र के जवाब में घर में शौचालय यथाशीघ्र बनाने का वायदा किया और बनाना भी शुरू कर दिया | कुछ बच्चों ने तो अपना जन्मदिन न मनाते हुए शौचालय अवश्य बनाएं ऐसा अनुरोध किया है | इस घटना का जिक्र माननीय प्रधानमंत्रीजी ने अपने मन की बात में किया है | उन्होंने इस आइडिया के जनक और इससे जुड़े पूरी टीम को साधुवाद भी प्रेषित किया है |

गत वर्ष आपने शालाओं को माताओं से जोड़ने का प्रयास किया था और उन्हें अपने बच्चों की पढाई के लिए प्रेरित भी किया था | इस बार इन्हीं बातों को आगे बढाते हुए बच्चों को अपने माता-पिता को पत्र लिखकर उन्हें पढाई में ध्यान देने का निवेदन किया जा सकता है | एक नमूना यहाँ आपकी सुविधा के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है |

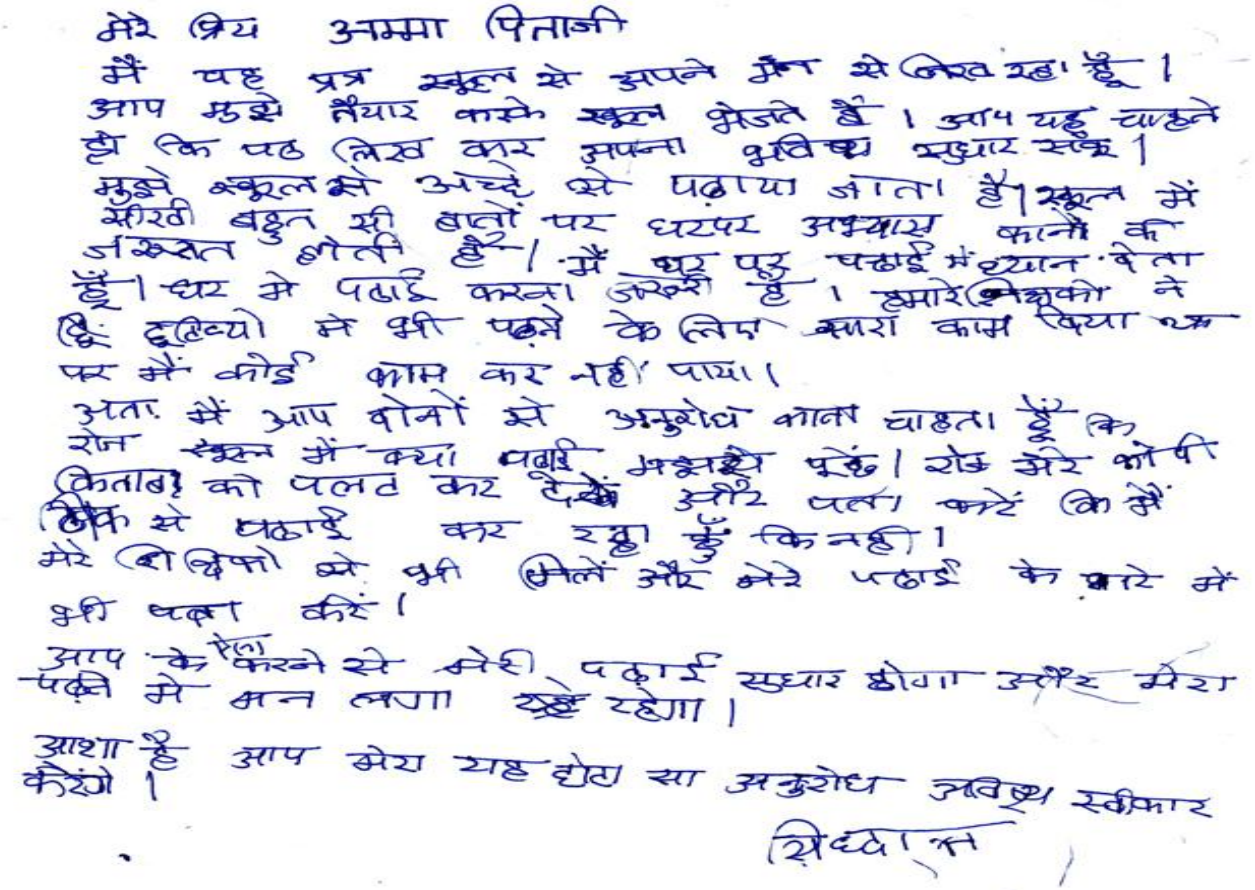

मेरे प्रिय अम्मा पिताजी
मैं यह पत्र स्कूल से अपने मन से लिख रहा हूँ। आप मुझे तैयार करके स्कूल भेजते हैं। आप यह चाहते हो कि पढ लिख कर अपना भविष्य सुधार सकूं। मुझे स्कूल में अच्छे से पढाया जाता है। स्कूल में सीखी बहुत सी बातों पर घरपर अभ्यास करने की जरूरत होती है। मैं घर पर पढाई में ध्यान देता हूँ। घर मे पढाई करना जरूरी है। हमारे शिक्षकों ने छुट्टियो मे भी पढने के लिए सारा काम दिया था पर मैं कोई काम कर नहीं पाया।
अतः मैं आप दोनों से अनुरोध करना चाहता हूँ कि रोज स्कूल में क्या पढाई हुई पूछें। रोज मेरे कॉपी किताबें को पलट कर देखें और पता करें कि मैं ठीक से पढाई कर रहा हूँ कि नहीं।
मेरे शिक्षको से भी मिलें और मेरे पढाई के बारे में भी चर्चा करें।
आप के ऐसा करने से मेरी पढाई सुधार होगा और मेरा पढने मे मन लगा रहेगा।
आशा है आप मेरा यह छोटा सा अनुरोध अवश्य स्वीकार करेंगे।
सिद्धान्त

आप अपने संकुल में बच्चों से इस प्रकार के रचनात्मक लेख लिखने हेतु कैसे प्रेरित कर सकते हैं ? बच्चों को क्रिएटिव लेखन के लिए कौन-कौन से क्षेत्र हो सकते हैं ? चर्चा करें और सूची बनाकर वितरित करें |

एजेंडा आठ : शिक्षकों के लिए संगोष्ठी के आयोजन हेतु कुछ मुद्दे

यदि आप चाहें तो एक कुशल लीडर के रूप में विकासखंड मुख्यालय में मुख्यालय में रहने वाले शिक्षकों एवं विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें प्रोत्साहित करते हुए अपने क्षेत्र में शिक्षा में गुणवत्ता के संबंध में परिचर्चाओं का आयोजन अवकाश के दिनों में रख सकते हैं | इस हेतु कुछ सुझावात्मक मुद्दे इस प्रकार हो सकते हैं –

- शिक्षकों का सतत क्षमता विकास (Continuous Professional Development)
- शालाओं में शैक्षणिक वातावरण निर्माण (creating educational environment)
- कक्षा प्रबन्धन एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रियाएं (Classroom management & teaching-learning processes)
- अकादमिक मानिटरिंग एवं मेंटरिंग (Academic monitoring & mentoring)
- सिस्टेमिक रिफोर्म्स संबंधी मुद्दे (Systemic reforms related issues)

आप कोई एक तिथि, समय एवं स्थल आदि की घोषणा करते हुए उपरोक्त मुद्दों पर कुछ विशेषज्ञों को चिह्नांकित कर उन्हें आवश्यक तैयारी करवाते हुए इस कार्यक्रम को अपने अपने क्षेत्र में सफलतापूर्वक आयोजित करवाते हुए रिपोर्ट एवं फोलो-अप एक्शन से इस कार्यालय को अवश्य अवगत करावें |

एजेंडा नौ : शिक्षा से जुड़े कुछ शब्दावलियों को एक बार फिर याद करें

आपसे गत कुछ अंको में शिक्षा से जुड़े कुछ शब्दावलियों पर समझ बनाने का प्रयास किया था और उनके नियमित उपयोग एवं अपने कार्यस्थल पर उपयोग हेतु प्रेरित किया था | आइए इनमे से कुछ शब्दों को याद करें और पुनः नियमित व्यवहार में लाने का प्रयास करें –

Time on task-

Return on Training Investment (ROTI)-

Pygmalion effect-

नई शिक्षा नीति पर अपने विचारों से अवगत कराने हेतु mygov.in में सुविधा उपलब्ध है | जो भी शिक्षक शिक्षा नीति पर अपने विचार रखना चाहते हों, इसके माध्यम से कर सकते हैं |

यदि आप अपने सबसे चहेते शिक्षक के बारे में भी सबको बताना चाहते हों तो इस वेबसाईट एवं alokshukla.com में भी जुड़कर अपने प्रिय शिक्षकों के बारे में उनके फोटो के साथ विवरण दे सकते हैं |

अपने दिमाग के कैनवस पर ऊर्जा संरक्षण की रचना बनाएं

विद्यालय, राज्य और राष्ट्र स्तर पर आप सभी बच्चों की भागीदारी आमंत्रित है

ऊर्जा संरक्षण-2016 पर चित्रकारी प्रतियोगिता

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, बच्चों को अपनी कल्पना को व्यक्त कर, स्वच्छ, हरित व ऊर्जा दक्ष भविष्य निर्माण के लिए आमंत्रित करता है, एक ऐसा भविष्य जो उन्हें विरासत में मिलेगा। इस चित्रकला प्रतियोगिता द्वारा बच्चे न केवल कुछ अच्छी चीजें सीखेंगे बल्कि हमें भी कुछ नया सिखाएंगे।

विषय - श्रेणी 'क'

1st हर एक वाट बचे, ऊर्जा समृद्धि बढ़े

2nd *आओ मिलकर बिजली बचाएं, प्रगति के भागी बन जाएं

3rd जागरूक बनें, ऊर्जा का सही उपयोग करें

पुरस्कार

स्तर	पहला	दूसरा	तीसरा	सांत्वना
राज्य/संघ शासित क्षेत्र– श्रेणी 'क' एवं 'ख'	₹ 20,000/-	₹ 15,000/-	₹ 10,000/-	10 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 5,000/- की राशि का
राष्ट्रीय – श्रेणी 'क'	₹ 1,00,000/-	4 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 50,000/- की राशि का	8 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 25,000/- की राशि का	10 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 10,000/- की राशि का 10 बीईई पुरस्कार, प्रत्येक ₹ 10,000/- की राशि का
राष्ट्रीय – श्रेणी 'ख'	₹ 1,00,000/-	2 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 50,000/- की राशि का	3 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 25,000/- की राशि का	6 पुरस्कार प्रत्येक ₹ 10,000/- की राशि का

विषय - श्रेणी 'ख'

1st ऊर्जा का संरक्षण, व्यवस्थित शहर की ओर उचित कदम

2nd कार्बन पद चिन्ह घटाएं

3rd सौर ऊर्जा अपनाएं, ध्रुव बचाएं

निदेशक (ऊर्जा संरक्षण)
विद्युत मंत्रालय
भारत सरकार
एफ–विंग, दूसरी मंजिल,
निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011
दूरभाष: 011–23063497 / 23061311

सचिव
ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई)
(विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार)
चौथी मंजिल, सेवा भवन, आर.के. पुरम,
नई दिल्ली–110 066
दूरभाष: 011–26179699 (5–लाइन),
फैक्स सं. 011–26178328 / 52
वेबसाइट: www.beeindia.gov.in

विद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

- विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से अनुरोध है कि वे कक्षा **4, 5 एवं 6** के लिए **श्रेणी 'क'** और कक्षा **7, 8 एवं 9** के लिए **श्रेणी 'ख'** के तहत विद्यार्थियों के लिए 2 घंटे की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करें। विद्यार्थी किसी आकार के कागज, बेहतर होगा ए 4 आकार के और पेंसिल, रंगीन पेंसिल, मोम के रंग और पानी वाले रंग इस्तेमाल करें। विद्यार्थी उनकी श्रेणी के लिए निर्धारित ऊपर लिखे किसी भी एक विषय पर चित्रकला कर सकते हैं।
- विद्यालयों के प्रधानाध्यापक प्रत्येक **श्रेणी 'क' एवं 'ख'** से 2 सर्वश्रेष्ठ चित्रों का चयन करेंगे और विद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या का उल्लेख करते हुए चयनित चित्रों को संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के नोडल अधिकारी को भेज देंगे जिनका पता नीचे दिया गया है। चित्र **30 सितम्बर 2016** तक अवश्य पहुंचाने होंगे।
- चयनित दो चित्रों के पीछे निम्न सूचनाएं होनी चाहिए :
  विद्यार्थी का नाम एवं पिता/माता का नाम, माता-पिता का दूरभाष/ मोबाइल नं., कक्षा, रोल नंबर, श्रेणी, विद्यालय का नाम एवं डाक पता, ग्रामीण क्षेत्र का सरकारी विद्यालय है (हां या नहीं लिखें) विद्यालय की दूरभाष नं., विद्यालय के प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र
- सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।
- **State Nodal Officer's address for Chattisgarh**
  Sh. Mayank Singh, Chief Manager
  Power Grid Corporation of India Ltd.,
  Raipur 400.220 KV Sub Station, G.E. Road, P.O. Kumhari, Distt. Durg – 490042, (Chattisgarh) Tel: 0788-3254522,
  Cell: 09425409529, Email: pcec.bee.cg@gmail.com , mayanksingh.2611@gmail.com
- अन्य राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारी का पता तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयन किए गए विद्यार्थियों के नाम जानने के लिए कृपया **www.beeindia.gov.in** पर लॉग–ऑन करें।

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

- **श्रेणी 'क' एवं 'ख'** प्रत्येक के लिए सर्वश्रेष्ठ 50 चित्रकला और 5 आरक्षित का चयन विशेषज्ञ समिति/निर्णायक मंडल करेगा।
- **श्रेणी 'क' एवं 'ख'** से चुने हुए विद्यार्थियों को **9 नवंबर, 2016** को होने वाली 2 घंटों की मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र में निर्धारित स्थान पर बुलाया जाएगा।
- **श्रेणी 'क' एवं 'ख'** के प्रत्येक प्रतिभागी विद्यार्थी को ₹ 2,000 नकद के साथ प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।
- प्रतियोगिता के दिन **श्रेणी 'क'** के प्रत्येक विद्यार्थी के साथ दो अभिभावकों और **श्रेणी 'ख'** के प्रतिभागी विद्यार्थी के साथ 1 अभिभावक के लिए शयनयान श्रेणी/वातानुकूलित कुर्सी यान/वातानुकूलित तीसरी श्रेणी का रेल भाड़ा या राज्य सड़क परिवहन की बस का आने जाने का भाड़ा दिया जाएगा।
- पुरस्कार उसी दिन दिए जाएंगे।
- **श्रेणी 'ख'** की प्रतियोगिता राज्य स्तर पर समाप्त हो जाएगी तथा राज्य स्तरीय विजेताओं के प्रथम 3 चित्रों का राष्ट्र स्तरीय पुरस्कारों के लिए चयन हेतु आंकलन किया जाएगा।

राष्ट्र स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

- प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के **श्रेणी 'क'** की राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के पहले, दूसरे और तीसरे विजेता को **12 दिसम्बर, 2016** को होने वाली **राष्ट्र स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता** में भाग लेने के लिए दिल्ली आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्रों की **श्रेणी 'ख'** की राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के केवल **पहले, दूसरे और तीसरे** पुरस्कार विजेताओं के चित्रों का राष्ट्र स्तरीय पुरस्कारों के चयन हेतु दिल्ली में एक विशेषज्ञ समिति/निर्णायक मंडल द्वारा आंकलन किया जाएगा।
- **श्रेणी 'क'** के 108 प्रतिभागी और प्रत्येक के साथ दो अभिभावकों और **श्रेणी 'ख'** के 12 विजेताओं और प्रत्येक के साथ एक अभिभावक को आने जाने के लिए, सबसे छोटे मार्ग के लिए शयनयान श्रेणी/वातानुकूलित कुर्सी यान/वातानुकूलित तीसरी श्रेणी का रेल भाड़ा या राज्य सड़क परिवहन की बस का भाड़ा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक प्रतिभागी विद्यार्थी को छुटपुट व्यय के लिए, ₹ 2,000 नकद और प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।
- **श्रेणी 'क' एवं 'ख'** दोनों के राष्ट्रीय स्तर विजेताओं को दिल्ली में **14 दिसंबर, 2016** को आयोजित होने वाले **'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह'** में मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

टिप्पणी

- **श्रेणी 'क' और 'ख' के अंतिम दो वर्षों (2014 और 2015) के दौरान** राज्य/संघ राज्यक्षेत्रों के स्तर पर 1, 2 और 3 पुरस्कार विजेता इस साल प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र नहीं हैं, लेकिन राज्य स्तर पर सांत्वना पुरस्कार विजेता दोनों श्रेणियों में भाग लेने के पात्र हैं, लेकिन वे 1/2/3 तक के स्तर में सुरक्षित होने चाहिए तभी पुरस्कार के लिए विचार किया जाएगा।
- प्रतियोगिता के किसी भी स्तर पर चित्रकला में जोड़–जाड़/पेबंदकारी की अनुमति नहीं है।
- **'क' एवं 'ख' श्रेणियों** की प्रतियोगिता में 100 प्रतिशत भागीदारी दर्ज करने वाले विद्यालय के नाम (यथा लागू) बीईई की ओर से तैयार चित्रकला प्रतियोगिता पुस्तिका में प्रकाशित किए जाएंगे।
- विद्यालय स्तर पर चुने गए दो चित्रों, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र स्तर और राष्ट्र स्तर के रेखाचित्रों पर बीईई का एकाधिकार होगा जिसका वह किसी भी उद्देश्य से, जो उचित समझे, उपयोग कर सकता है।
- पिछले दो वर्षों (2014–2015) में विद्यालयों तथा छात्रों की सर्वाधिक प्रतिभागिता और प्रतिशतता में वृद्धि सुनिश्चित करने में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के शिक्षा विभाग और नोडल अधिकारियों के लिए निम्नलिखित वर्गों में श्रेणी 'क' के लिए किए गए कार्य प्रदर्शन के आधार पर 8 पुरस्कार भी प्रदान किए जायेंगे।
  - **सर्वश्रेष्ठ राज्य शिक्षा विभाग और नोडल अधिकारी** (उत्तर–पूर्वी राज्यों को छोड़ कर)
  - **सर्वश्रेष्ठ राज्य शिक्षा विभाग और नोडल अधिकारी** (उत्तर–पूर्वी राज्य)
  - **सर्वश्रेष्ठ संघ राज्यक्षेत्र शिक्षा विभाग और नोडल अधिकारी**
  - **सर्वश्रेष्ठ राज्य/संघ राज्यक्षेत्र शिक्षा विभाग और नोडल अधिकारी**– पिछले वर्ष की तुलना में विद्यार्थियों की सबसे अधिक प्रतिशत भागीदारी दर्ज कराने वाले
- प्रत्येक स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल/विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा।

davp 34106/13/0008/1617

स्वहित और देश के हित में बिजली बचाएं